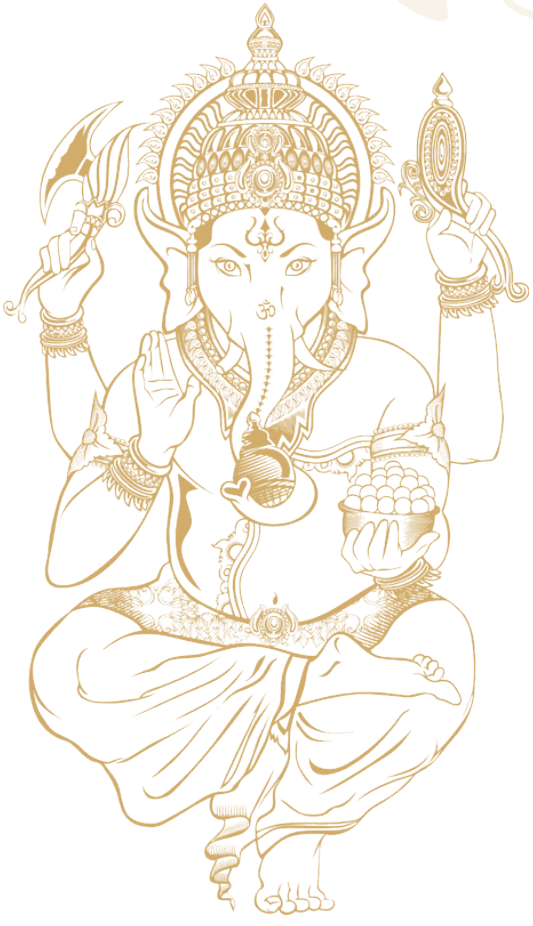

Bharti

15 Aug 1994

11:50 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121731208

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15/08/1994**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**23:50:00 घंटे**
इष्ट	44:59:47 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:28:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:32 घंटे
साम्पातिक काल	21:04:34 घंटे
सूर्योदय	05:50:05 घंटे
सूर्यास्त	19:00:43 घंटे
दिनमान	13:10:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	28:54:10 कर्क
लग्न के अंश	06:05:32 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वैधृति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नो-नोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	06:05:32	397:48:03	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
सूर्य			कर्क	28:54:10	00:57:39	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	18:46:20	14:01:14	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	नीच राशि
मंगल			मिथु	05:32:01	00:39:23	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	01:45:58	01:59:08	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			तुला	13:47:59	00:07:12	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	14:39:41	01:00:59	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शनि	व		कुंभ	16:29:00	00:04:14	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	25:20:02	00:01:42	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	25:20:02	00:01:42	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	29:27:29	00:01:59	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
नेप	व		धनु	27:21:47	00:01:19	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	01:31:13	00:00:20	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मक	19:53:16	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:09

लग्न-चलित

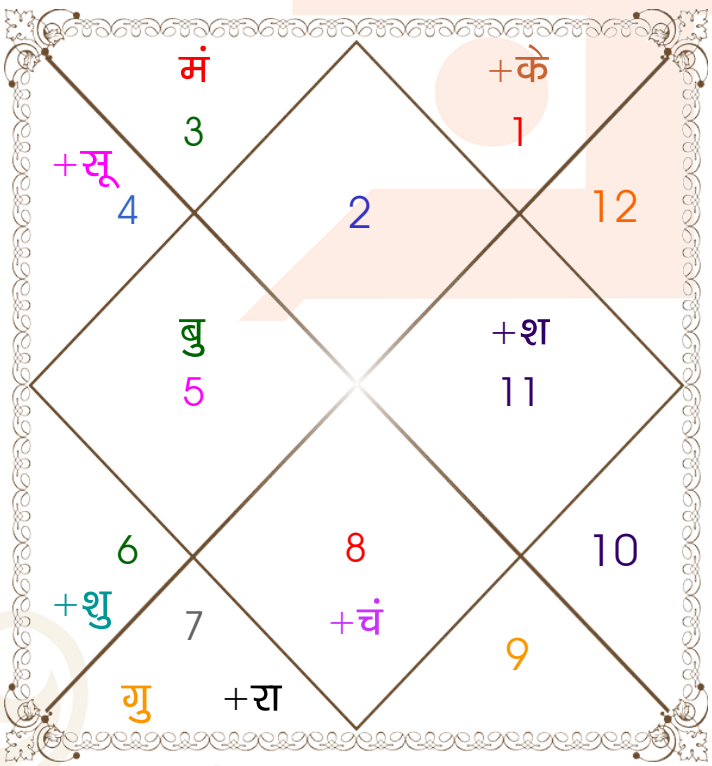

चन्द्र कुंडली

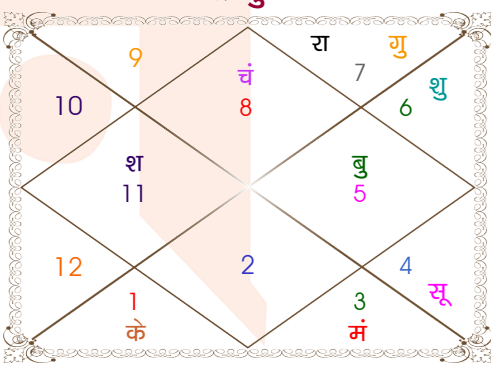

नवमांश कुंडली

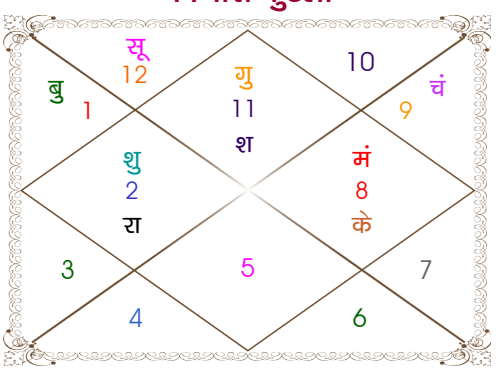

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 3 मास 23 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
15/08/1994		08/12/2008		09/12/2015		09/12/2035		08/12/2041	
08/12/2008		09/12/2015		09/12/2035		08/12/2041		09/12/2051	
	15/08/1994	केतु	06/05/2009	शुक्र	09/04/2019	सूर्य	28/03/2036	चंद्र	09/10/2042
केतु	04/05/1995	शुक्र	07/07/2010	सूर्य	09/04/2020	चंद्र	26/09/2036	मंगल	10/05/2043
शुक्र	04/03/1998	सूर्य	11/11/2010	चंद्र	08/12/2021	मंगल	01/02/2037	राहु	08/11/2044
सूर्य	08/01/1999	चंद्र	12/06/2011	मंगल	08/02/2023	राहु	27/12/2037	गुरु	10/03/2046
चंद्र	09/06/2000	मंगल	09/11/2011	राहु	07/02/2026	गुरु	15/10/2038	शनि	09/10/2047
मंगल	06/06/2001	राहु	26/11/2012	गुरु	08/10/2028	शनि	27/09/2039	बुध	10/03/2049
राहु	24/12/2003	गुरु	02/11/2013	शनि	09/12/2031	बुध	02/08/2040	केतु	09/10/2049
गुरु	31/03/2006	शनि	12/12/2014	बुध	09/10/2034	केतु	08/12/2040	शुक्र	09/06/2051
शनि	08/12/2008	बुध	09/12/2015	केतु	09/12/2035	शुक्र	08/12/2041	सूर्य	09/12/2051

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
09/12/2051		09/12/2058		08/12/2076		08/12/2092		10/12/2111	
09/12/2058		08/12/2076		08/12/2092		10/12/2111		00/00/0000	
मंगल	06/05/2052	राहु	21/08/2061	गुरु	26/01/2079	शनि	12/12/2095	बुध	08/05/2114
राहु	25/05/2053	गुरु	15/01/2064	शनि	09/08/2081	बुध	21/08/2098	केतु	16/08/2114
गुरु	01/05/2054	शनि	20/11/2066	बुध	15/11/2083	केतु	30/09/2099		00/00/0000
शनि	09/06/2055	बुध	09/06/2069	केतु	21/10/2084	शुक्र	01/12/2102		00/00/0000
बुध	06/06/2056	केतु	27/06/2070	शुक्र	22/06/2087	सूर्य	13/11/2103		00/00/0000
केतु	02/11/2056	शुक्र	27/06/2073	सूर्य	09/04/2088	चंद्र	13/06/2105		00/00/0000
शुक्र	02/01/2058	सूर्य	22/05/2074	चंद्र	09/08/2089	मंगल	23/07/2106		00/00/0000
सूर्य	10/05/2058	चंद्र	21/11/2075	मंगल	16/07/2090	राहु	29/05/2109		00/00/0000
चंद्र	09/12/2058	मंगल	08/12/2076	राहु	08/12/2092	गुरु	10/12/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 3 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म कृतिका नक्षत्र के तृतीय चरण में वृषभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षितिज पर कुंभ का नवमांश एवं वृषभ राशि का द्रेष्काण उदित था। आपके जन्म प्रभाव से ऐसा स्पष्ट हो रहा है कि आपका व्यक्तित्व सामान्य तथा जीवन विखंडित है।

यद्यपि आप धार्मिक प्रवृत्ति की सुव्यवस्थित महिला हैं। आप व्यवसायिक मनोवृत्ति की प्राणी हैं। आप बैल के समान उत्तरदायीत्व निभा सकती हैं। यदि आपको कोई क्रोधित कर दे तों आपकी सहनशीलता सीमा रहित हो जाती है और आप अपनी विरोधात्मक परिस्थिति को प्रचंड प्रहार से मुक्त करा लेने की इच्छा रखती हैं।

परंतु आप ऐसी महिला हैं जो अपने घर के साज-सज्जाओं को विभिन्न प्रकार से परिवर्तित करती रहती हैं। आप किसी भी घटनाओं के प्रति अपने पति को भिन्न-भिन्न प्रकार की राय देती हैं। व्यक्तिगत रूप से आपका व्यवहार किसी को अपने वशीभूत (अधिनस्थ) रखने जैसा होता है।

बल्कि अन्य परस्पर विरोधाभास यह है कि आप लिहाज पूर्वक अपने प्रेम संबंध को बनाए रखती हैं। आप स्वयं अपने हाथ से अपने पति से छिपा कर प्रेमी को घर से बाहर उदारता पूर्वक उपहार स्वरूप आभूषण एवं वस्त्रादि प्रदान करती हैं।

आप चाहती हैं कि आपका साझीदार अन्य की अपेक्षा सुंदर और आकर्षक हो। परंतु आप दूसरी ओर विपरीत योनि के लिए सौम्यता पूर्ण ढंग से अति संवेदनशील रह कर अहंकार पूर्ण व्यवहार करती हैं। आप गुप्त रूप से प्रेम संबंध के लिए विशेष सोच-विचार बिना किए अवसर प्राप्त करती हैं। परंतु निश्चयपूर्वक इसे गुप्त रखती हैं।

परंतु आप में दो मुख्य विशेषताएं विद्यमान हैं। प्रथम तो यह है कि आप में कुछ करने की दृढ़ इच्छा शक्ति प्रबल रहती है। अन्य आप किसी भी विषय पर गंभीरता पूर्वक सोच समझकर ही उसे कार्यरूप देती हैं। जब-जब जिस-जिस विषय पर आप कार्यारंभ करती हैं। उस योजना को पूर्ण रूपेण संतुलित करके ही मात्र उसी विषय का गद्यात्मक अध्ययन कर संकल्पित हो कर कार्य रूप में व्यवहृत करते हैं। आप कभी भी अंधात्मक छलांग नही लगाती। आप निःसंदेह होकर, अपने कार्य के लिए (मधुर) अनुकूल समय निकाल कर कार्यरंभ करती हैं। जब एक बार अपने मन से कार्य हेतु निश्चय कर लेती हैं। पुनः अपनी योजना की सफलता के लिए कोई भी प्रयास करने में नहीं हिचकतीं।

प्रत्येक क्षण आपके मन में स्थायी रूप से यह विषय प्रमुखता से स्थिर रहता है। कि किस प्रकार धन प्राप्त एवं संचित किया जाए। आपके जीवन में धन और बहुत धन प्राप्ति का लक्ष्य प्रमुख है। तत्पश्चात् आप धन का बिना दुरुपयोग किए मात्र संचित करने के लिए चिंतित रहती हैं कि किस यत्न से धन का दुरूपयोग किसी भी विंदु पर या स्थिति में न हो तथा धन राशि अक्षुणण रहे। आपके समक्ष इस बात की प्रमुखता रहती है कि आप अपने अधीन या सपंर्क में रहने वालों को अपने से निकटता एवं सहानुभूति बनाए रखती हैं।

आप शारीरिक रूप से संतुलित एवं सामान्य शक्ति संपन्न, गोल मोल आकृति, चौड़ा कंधा, मोटी गर्दन एवं चमकीली आखों से युक्त सुंदर स्वरूपवान हैं। आप भौज्य प्रिय, चाटुकार (पेटू) और मसालेदार भोजन करने वाली प्राणी हैं। आपके लिए अधिक भोजन के पश्चात् शारीरिक समस्याएं उत्पन्न हो जाना स्वाभाविक है। आपको अति रक्त संचार, कब्जियत, नेत्र रोग, नस संबंधी गडबड़ी तथा मस्तिष्क ज्वर से पीड़ित रहने की आशंका है। अतः आपके लिए सदैव नियंत्रित एवं संतुलित आहार ग्रहण करना ही अति अनुकूल है।

इसके अतिरिक्त आपके लिए अत्यावश्यक है कि आप छोटी-मोटी दुर्घटनाओं के प्रति सचेत रहें क्योंकि आपके लिए यह संभव है कि आपको किसी छोटी भी दुर्घटनाओं का शिकार होना पड़े। आप अत्यंत ही सुविख्यात प्राणी है, अस्तु आपसे बहुत अधिक मित्र वर्ग संबंधित रहेंगे। आपके लिए आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय संगीत, गायन, वादन नृत्य कलाकारिता संबंधी कार्य प्रतिरक्षा-विभाग या पुलिस विभाग की सेवा कार्य अनुकूल हो सकता है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए संवेदनशील अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल है। अंक 7 एवं 9 अंक आपके लिए प्रभावक एवं आकर्षक अंक हैं तथा यह भी स्पष्ट है कि आपके लिए अंक 5 का व्यवहार अनुपयुक्त है।

आपके लिए अति आरामदायक एवं अनुकूल रंग हरा, गुलाबी, एवं श्वेत वस्त्र हैं। आपके लिए लाल रंग का व्यवहार सर्वथा उत्तेजक एवं अनिवार्य रूप से त्यागनीय है।